# आज का पुरुषार्थ 12 August 2022

**Source**: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

**धारणा** – *"आइये आज से हम ईश्वरीय सत्संग में रहकर अपने जीवन को और अधिक पावरफूल बनायें "*

संसार में बहुत समय से **सत्संग** की बहुत महिमा चलती आती है। शास्त्रों के अनुसार थोड़ी देर का सत्संग भी मनुष्य को **सदगति** के ओर ले जाता है। उसके लिए **मुक्ति** का मार्ग प्रशस्त करता है।

परन्तु अनेक सत्संग होते हुए भी संसार की दुर्गति ही होती आई। कारण? जो **परम सत्य** है उनका संग किसी को भी नहीं हुआ।

केवल गुरूओं के पास चले जाना शास्त्र कथा सुनना यह भी अच्छा है। परन्तु इसे सत्संग नहीं कहेंगे। क्योंकि इसमें **परमात्म मिलन का सुख** प्राप्त नहीं होता।

परमपिता जो हमारा है, जो हमें बहुत प्यार करते है, जो **कल्याणकारी** है, सत्यम शिवम सुन्दरम है, हम उनके संतान है। वह आकर हमें सच्चा सुख दिया है, सच्चा साथ दिया है।

उनकी याद में रहना, उनका **महावाक्य** सुनना, उनके प्यार का, उनके **वायब्रेशन्स** का अनुभव करना .. यही है सदा सत्संग करते चलना।

हमें इन सबका बहुत अच्छा अभ्यास करना है। कभी हम परमधाम में उनके संग रहे, तो कभी इस धरा पर उन्हें अपने पास बुला ले।

ध्यान रखना है हम किसी भी बूरे संग में न जाये। बूरा संग मनुष्य के जीवन को नष्ट कर देता है। उसके **मन** को भटका देता है।

हम सभी सदा परम सत्य के संग में रहने का संकल्प करे। और ऐसा वही कर सकता है जो सारा दिन **अन्तर्मुखता का अभ्यास करे।** जिसको ज्ञान का नशा चढ़ा रहे। जो ज्ञान के चिंतन में रहे और ईश्वरीय नशें से भरपूर रहे।

**श्रेष्ठ चिन्तन** बहुत बड़ी बात है। अगर आप एक दो घन्टे बाद स्वयं को कुछ याद दिला दे ..

*" कौन मुझे मिला है? क्या मुझे मिलने जा रहा है? क्या पाया इस जीवन में? इस समय पर इन आंखो से मैंने क्या क्या देखा? मैं हूँ कौन? मेरा कर्तव्य कितना महान है! "*

यदि दो तीन घन्टे बाद स्वयं को यह बात याद दिलाया जाये .. तो स्थिति बहुत सुन्दर रहेगी। हम वाह्यमुखता में जरा भी नहीं जायेंगे।

हमें तो **सत्य के संग में रहना है।** स्वयं से बात करे →

*" एक ही बार तो हमे परमसत्य का संग मिला हैं। एक ही बार तो हमे भगवान का साथ मिला हैं। उसका प्यार मिल रहा हैं। "*

और बहुत सुंदर बात तो ये हैं कि ..

**" वो हमे सर्वस्व प्रदान करने आया हैं "**

**हम याद किया करे ..**

*" स्वयं भगवान हमे अपने सबकुछ देने आ गये हैं। हम कितने भाग्यबान हैं। हमारे जैसे इस संसार में भला और कौन होगा? जिनको स्वयं भगवान अपना सबकुछ देने आ जाये! "*

**स्वर्ग का राज्यभाग्य** हथेली पर लेकर आ जाये, कि ..

***" लो बच्चे, यह सब तुम्हारे लिये हैं "***

अपने भाग्य का भी गुणगान करे, और इस सत्संग का भरपुर फायदा उठाये। इस सत्संग में रहने बाले ही बहुत **पावरफूल** वन जाते है। बहुत **पवित्र** वन जाते है।

उनकी पवित्रता के वायब्रेशन्स संसार के लिये बहुत आधिक **कल्याणकारी** होते है।

**तो आज का दिन हम सत्संग मे रहेंगे ...**

" मैं आत्मा .. बहुत पवित्र .. पवित्रता का सुर्य .. परमधाम में बाबा के साथ हूँ .. ज्ञान सुर्य के साथ हुँ .. उनके तेजस्वी किरणें मुझ पर पड़ रही हैं "

।। ओम शान्ति ।।

**BK Google**: www.bkgoogle.org

**Website**: www.shivbabas.org